

विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय

विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 09 - 08- 2021

पाठ - 6

इंद्रधनुष जी इतने रंग

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको इंद्रधनुष जी इतने रंग कविता के बारे में अध्ययन करना है, जो इस प्रकार है -

• शब्दार्थ

इंद्रधनुष - इंद्रचाप , सात रंगों वाला धनुष

भाए - अच्छे लगे

होली - हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार

रंगोली - रंगों से बना चित्र

मंगनी - विवाह पक्का करने की रस्म

दुनिया - विश्व , संसार

हीरा - एक रत्न

टंकी - कुंड , हौदी

• शब्दार्थ लिखें तथा याद करें -

इंद्रधनुष जी इतने रंग  
भला कहाँ से लाए हो?  
दुनिया के मन भाए हो!

क्या कोई दुकान खुली,  
आसमान में रंगों की?  
आसमान पर हीरों-से,  
यूँ जो रंग जमाए हो!  
इंद्रधनुष जी इतने रंग ...

इस होली में रंकी भर,  
रंग तुमने क्या खेले थे?  
कपड़ों पर से अब तक जो,  
रंग छुड़ा न पाए हो!

इंद्रधनुष जी इतने रंग ....  
या फिर किसी रंगोली से,  
मँगनी हुई तुम्हारी है?  
मँगनी पर जो रंग चढ़े,  
वही पहन कर आए हो!  
इंद्रधनुष जी इतने रंग ....

- सूर्यभानु गुप्त

## गृहकार्य

दिए, गए अध्ययन सामग्री को लिखें तथा याद करें -

\*\*\*\*\*

ज्योति

